दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 3)

निर्धारित समयः तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19 (N-M)–M–**GS13**	अधिकतम अंकः 250 Maximum Marks: 250

Name: Devendra Prakash Meena **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** XXX

Center & Date: Delhi & 01/07/19 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** ____________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में कई शासन ऐसे थे, जिन्होंने कला एवं स्थापत्य कला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

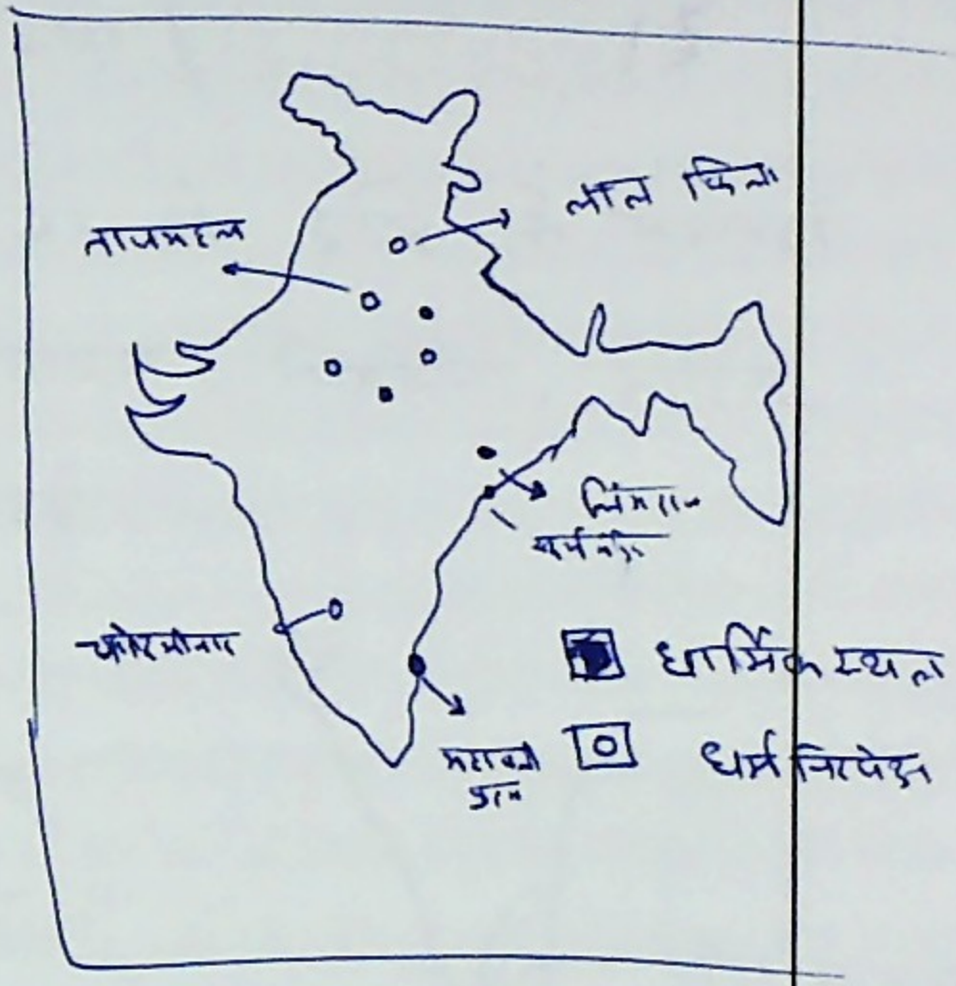

चूंकि कला का संबंध तत्कालीन शासन द्वारा समर्थित धर्म से होता है। अतः अधिकांश कला एवं वास्तुकला का संबंध धार्मिकता से है जैसे कि प्राचीन काल में निर्मित द्रविड शैली के मंदिर एवं मध्यकाल में निर्मित दरगाह आदि स्थल।

चूंकि शासन एवं धर्म में अन्य संबंध होता था, अतः राजा द्वारा अपने धार्मिक स्थलों का निर्माण कराया।

किन्तु कुछ स्थल ऐसे भी है, जो भले ही किसी भी धर्म के शासक द्वारा बनाये

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गये हो किन्तु प्रकृति में धर्म निरपेक्ष है।

जैसे - ताजमहल, हुमायूँ का मकबरा, राजस्थान के किले, लाल किला, जंतर मंतर

इस प्रकार स्पष्ट है कि • कला के अवशेष धार्मिक एवं धर्मनिरपेक्ष दोनो प्रकार के है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. चोलकालीन कांस्य प्रतिमाओं को सर्वाधिक परिष्कृत माना जाता है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Chola bronze sculptures are considered as the most elegant. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~चोल~~ भारतीय इतिहास में कला एवं मानव का संबंध हमेशा अद्‌भुत रहा है। हड़प्पा काल से ही कास्य प्रतिमाओं का उल्लेख मिलता है, जिसने चोल कलाकारो के सानिध्य में पूर्णता को प्राप्त किया।

चोल काल कला की दृष्टि से महत्वपूर्ण काल है, क्योंकि मंदिर स्थापत्य, चित्रकला, साहित्य, मूर्तिकला आदि में अभूतपूर्व विकास हुआ।

चोल काल में मंदिर निर्माण की द्रविड़ शैली का विकास हुआ, जिसने मूर्तिकला को प्रोत्साहित किया।

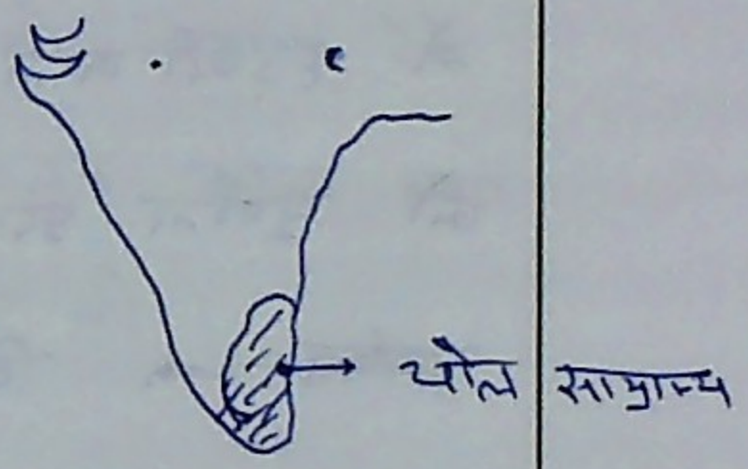

चोल काल में निर्मित नटराज शिव की कास्यमूर्ति तत्कालीन कला की परिपक्वता का प्रतिबिम्ब है। इस मूर्ति का न केवल मूर्ति कला की ~~दृष्टि~~ सूक्ष्मता की दृष्टि से योगदान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

है, बल्कि यह अपनी प्रतीकात्मकता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

चोल शासन के दौरान राज्य विस्तार ने शासकों को समृद्ध किया, जिसकी परिणति कला पर दिखाई देती है।

चोल काल में निर्मित कांस्य प्रतिमाओं की विशिष्टता उनकी भाव भंगिमाओं के सूक्ष्म अंकन में है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि चोल काल ने हड़प्पा काल से चली आ रही कांस्य मूर्तिकला को पूर्णता प्रदान की, जो वर्तमान में भी अपनी ~~पूर्णता~~ विशेषताओं के कारण प्रसिद्ध है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the contributions of Ishwar Chandra Vidyasagar in the making of modern India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर सामाजिक - धार्मिक सुधार आन्दोलन की रीढ़ की भांति है, जिन्होंने राजा राममोहन राय के अधुरे कार्यों को पूरा किया।

वस्तुत: उन्होंने सती प्रथा की समाप्ति के पश्चात् महिला विकास के लिए विधवा पुनर्विवाह अधिनियम- 1856 को पारित करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बैथुन के साथ विद्यालय खोला तथा 35 मॉडल विद्यालयों की स्थापना की।

उन्होंने अपने पुत्र का विवाह एक विधवा से कर समाज को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने महिला बाल विवाह के विरोध में भी कई प्रयास किये। उनका समाचार पत्र सोम प्रकाश जाति व्यवस्था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

धार्मिक आडम्बर, पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा आदि के विरुद्ध जन जागरण का कार्य करता था।

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर की प्रेरणा से भारत के अन्य क्षेत्रों में भी नारी सुधार के प्रयास किये गये। इनमें डा कर्वे, पंडिता रमाबाई, ताराबाई शिंदे, विष्णु पंडित शास्त्री आदि का महत्वपूर्ण योगदान है।

इसके अतिरिक्त उन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन के आरंभिक दौर के विकास में भी भूमिका ~~प्रदान~~ प्रदान की।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि जिस बंगाल की भूमि ने राष्ट्रीय आन्दोलन को परिपक्व किया, उसकी नीव विद्यासागर से ही प्रारंभ हुई थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चक्रवात वह वायुमंडलीय घटना है, जिसमें उच्च वायुदाब से निम्न वायुदाब की ओर बहने वाली हवा उत्तरी गोलार्द्ध में वामावर्त (ACW) तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणावर्त (CW) पथ का पालन करती है।

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात का निर्माण

① समुद्र की सतह का तापमान 27°C से अधिक होना चाहिए ताकि निम्न वायुदाब क्षेत्र का विकास हो सके।

② जलवाष्प का संघनन के साथ ऊपर की ओर गति करना आवश्यक है ताकि ऊर्जा का स्थानान्तरण हो सके।

③ कोरियोलिस बल की उपस्थिति आवश्यक है।

बंगाल की खाड़ी अधिक प्रवण क्यों?

→ ग्रीष्म ऋतु में जब ITCZ का उत्तर की ओर विस्थापन होता है, तब बंगाल की खाड़ी का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तापमान बढ़ने के कारण वायु दाब निम्न हो जाता है।

→ स्थल बढ़ता के कारण स्थल पर उच्च तापमान का विकास होना, बंगाल की खाड़ी को निम्न दाब का क्षेत्र बना देता है।

→ कोरिओलिस बल की अनुपस्थिति के कारण बंगाल की खाड़ी एक चक्रवात की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है

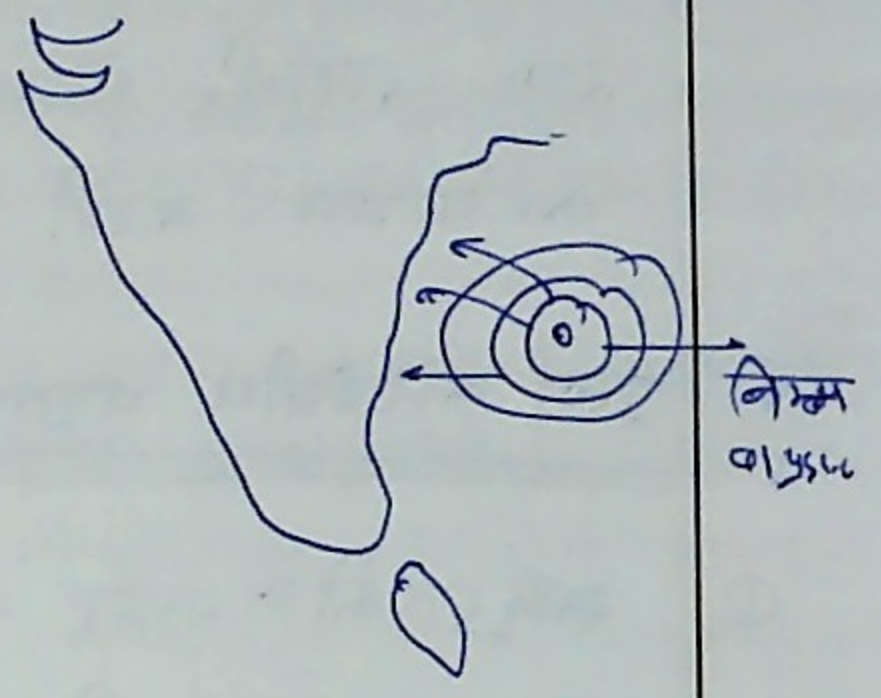

हाल ही में <u>फानि</u> नाम चक्रवात के कारण यह क्षेत्र प्रभावित रहा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत जैसे देश में विभिन्न समय-क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) का मुद्दा सामने आता रहता है। इस संदर्भ में भारत के विभिन्न समय-क्षेत्रों की व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The issue of multiple time-zones for a country like India keeps resurfacing. In this context, examine the feasibility of multiple time zones in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

~~भारत जैसे~~ २।

भारत का मानक समय 82.5 पूर्वी देशान्तर द्वारा निर्धारित किया जाता है किन्तु कई बार इससे संबंधित विवाद उत्पन्न होते है।

विवाद के कारण

① भारत का विस्तृत भौगोलिक विस्तार पूरे देश में एक ही मानक समय को व्यवहार्य नहीं बनाता।

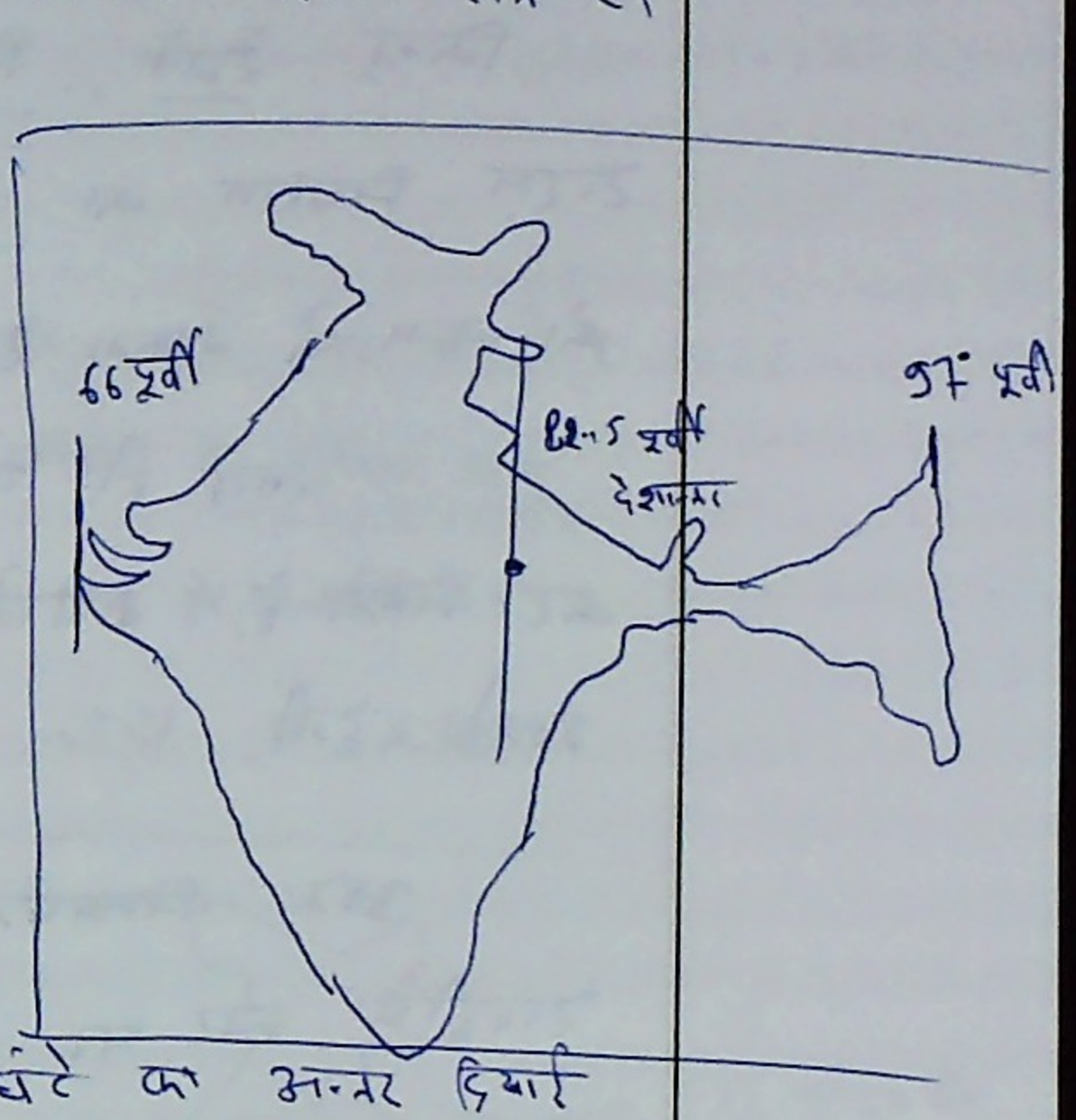

② पूर्वोत्तर के राज्यों में तथा पश्चिमी राज्य में समय तथा प्राकृतिक समय में दो घंटे का अन्तर दिखाई देता है।

③ एक ही समय के कारण आर्थिक गतिविधियाँ बाधित होती है।

फ्राँस (12), अमेरिका (11) जैसे राज्यों में अलग-अलग टाइम जोन विद्यमान है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विभिन्न समय क्षेत्र की व्यवहार्यता

→ यदि एक से अधिक समय होंगे तो पूर्वोत्तर के राज्यों को अपनी आर्थिक गतिविधियाँ सुबह पहले करने होंगी। जिससे विद्युत की बचत होगी।

किन्तु रेलवे, विमानन आदि क्षेत्रों के टाइम निर्धारण का मैनेजमेंट होना, एक दुर्घटना को जन्म दे सकता है।

साथ ही यह राष्ट्र की एकता को क्षीण कर सकता है, क्योंकि फिर यह मांग निरन्तर उठती रहेगी।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर एक ही टाइम ज़ोन को निर्धारित किया जाना चाहिए किन्तु पूर्वोत्तर की आर्थिक गतिविधियों को राज्य सरकार द्वारा कुछ समय आगे प्रतिस्थापित किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानसून पर निर्भरता भारत को अपनी ~~सुरक्षा~~ खाद्य सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के लिए नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के लिए प्रेरित करता है।

सूखे से निपटना.

उत्तर भारत की नदियां प्रायः वर्ष भर बहती है जबकि दक्षिण भारत की नदियों मे ग्रीष्म ऋतु में पानी की मात्रा अत्यन्त कम हो जाती है। ऐसे में उत्तर भारत की नदियों को दक्षिण भारत की नदी से जोड़ना सूखे की समस्या का समाधान हो सकता है।

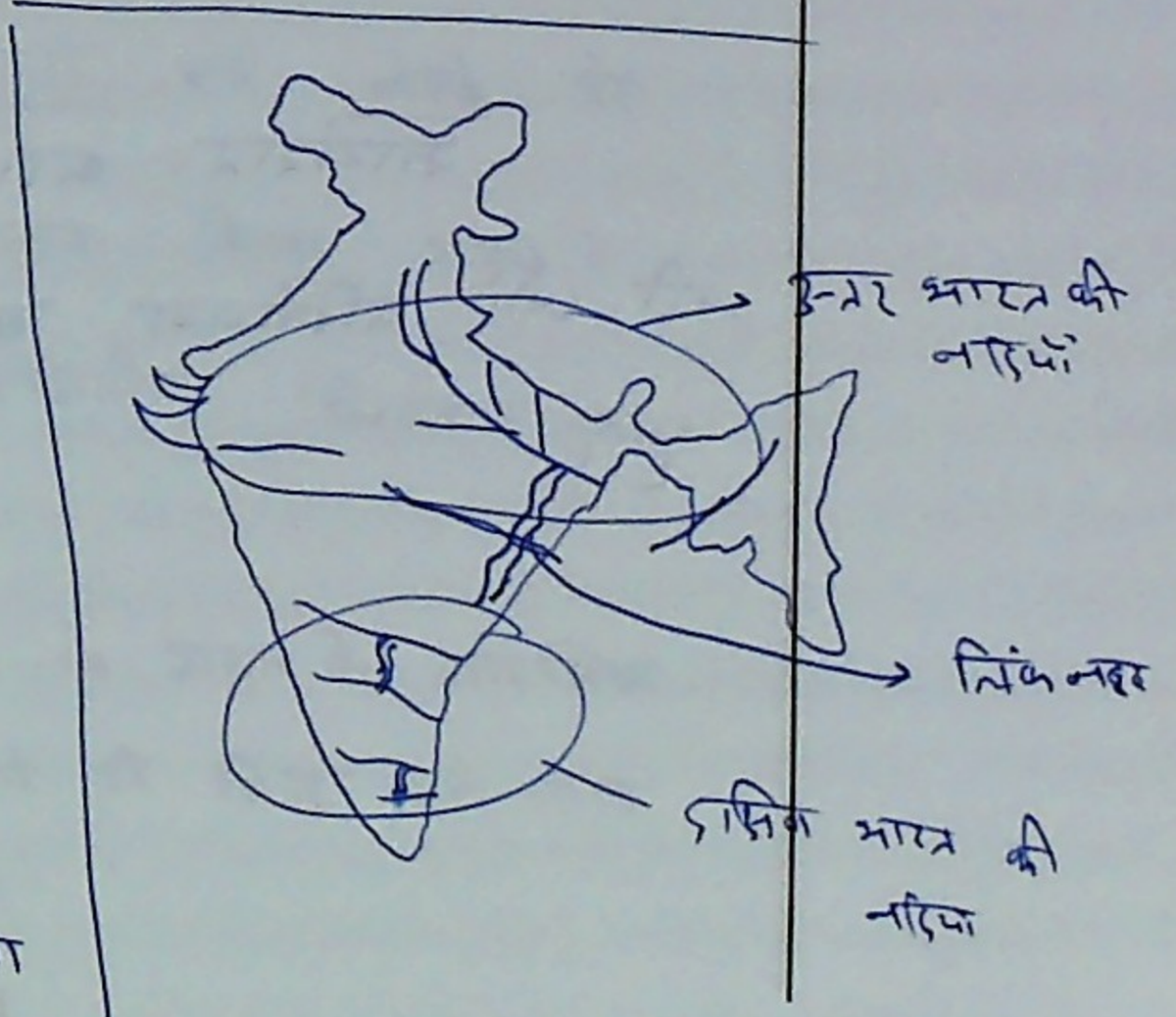

बाढ़ का प्रबंधन-

मानसून के दौरान अति-वृष्टि के कारण नदियों मे जल प्रवाह अधिक हो जाता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है, जिससे तटबंधों को तोड़कर नदी मैदानी भागों में प्रवेश कर जाती है। अतः नदी जोड़कर अतिरिक्त जल को अन्य क्षेत्रों में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा केन-बेतवा नदी को जोड़ा गया।

<u>अन्य लाभ</u>

→ अन्तः स्थलीय परिवहन
→ पर्यटन
→ सिंचाई
→ उद्योग में उपयोग

सारांशतः कहा जा सकता है कि नदी जोड़ो परियोजना बहुपक्षीय हितों से युक्त

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रशासन में विशेषतः प्रांतीय प्रशासन, स्थानीय निकायों एवं लोक सेवाओं के क्षेत्र में कौन-से प्रमुख परिवर्तन किये गए थे? (150 शब्द) 10

What were the prominent changes made in the administration of India after the Revolt of 1857 especially in the fields of provincial administration, local bodies and public services? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1857 के विद्रोह के पश्चात् ब्रिटिश क्राउन का सीधा शासन भारत पर स्थापित हुआ और इसके द्वारा कई निर्णय लिये गये।

① प्रांतीय प्रशासन - 1857 की क्रांति का एक कारण देशी राज्यों पर सरकार की हस्तक्षेप नीतियाँ थी। अतः उन्होंने देशी राज्यों के साथ मित्रता-पूर्ण संबंध स्थापित किये।

② स्थानीय निकाय - शहरीकरण की प्रवृत्ति के कारण मद्रास, कोलकाता एवं बम्बे में स्थानीय निकाय का गठन किया गया। सर्वप्रथम मद्रास में स्थानीय निकाय का गठन किया।

स्थानीय निकायों के गठन के आरंभिक प्रयास लार्ड मेयो ने किये थे किन्तु इसे लागू किया लार्ड रिपन ने।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ लोक सेवा – 1857 की क्रांति के बाद लोकसेवाओं में भारतीयों का प्रवेश बढ़ने लगा। सर्वप्रथम 1863 में सत्येन्द्र नाथ टैगोर ने लोकसेवा में सफलता हासिल की।

इस प्रकार स्पष्ट है कि 1857 के पश्चात् ब्रिटिश शासन ने इस कथन को समझ लिया कि -" उपनिवेश फल की भाँति होते है जो धीरे-धीरे पककर पेड़ को छोड़ देते है।

भारतीय उपनिवेश भी धीरे-धीरे मजबूत हो रहा था ऐसे में ब्रिटिशों द्वारा 'फूट-डालो और राज करो' की नीति अपनाई गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. उपनिवेशवाद के संदर्भ में, पश्चिमी शक्तियों द्वारा एशियाई तथा अफ्रीकी देशों पर आसानी से प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे के कारणों को उल्लेखित कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of colonialism, bring out the reasons behind easy domination of Asian and African countries by the Western powers. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद से तात्पर्य है किसी राष्ट्र द्वारा अन्य राष्ट्र पर आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक प्रभुत्व स्थापित करना।

पश्चिमी राष्ट्रों ने एशिया एवं अफ्रीका में आसानी से उपनिवेश स्थापित किये। इसके कारण प्रमुख है -

→ किसी केन्द्रीय शक्ति का अभाव होना तथा आपसी प्रतिद्वंद्विता।

→ वैज्ञानिक तकनीकी आविष्कार, जिससे गतिशीलता में वृद्धि की। जैसे - रेलवे

→ देशी राजाओं को धन, पद का लालच। जैसे - प्लासी के युद्ध में।

→ आधुनिक हथियारों की उपस्थिति।

→ विलय विस्तार, दंड नीति जैसी विविधीकृत नीतियां अपनाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ सामाजिक - सांस्कृतिक प्रभाव।

Ex. ऐसे मध्यवर्ग का निर्माण किया, जो पश्चिमी नीतियों का समर्थक था।

→ फूट डालो और राज करो की नीति

इस प्रकार स्पष्ट है कि अनेक कारकों ~~के कारण~~ की उपस्थिति पश्चिमी शासन को एशिया एवं अफ्रीका में उपनिवेश बनाने में सहायक साबित हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत में गरीबी का बिंदुपथ (ठिकाना) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The locus of poverty in India is shifting from rural to urban areas. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गरीबी एक बहुआयामी अवधारणा है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जीवन प्रत्याशा सभी सम्मिलित है। ~~[illegible]~~ भारत में 21.9% गरीबी विद्यमान है।

वर्तमान समय में गरीबी ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर स्थानान्तरित हो रही है। इसके कारण निम्न हैं -

→ ग्रामीण क्षेत्रों से गरीबों का रोजगार की तलाश में शहरों में पलायन। जिससे मलिन बस्तियों का निर्माण हो रहा है।

→ शहरी क्षेत्र में रोजगार की अनुपलब्धता।

→ संसाधनों पर दबाव।

→ महंगी शिक्षा एवं स्वास्थ्य प्रणाली। भारत में Out of Pocket Expenditure के कारण कई लाख लोग प्रतिवर्ष गरीब हो जाते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार एक गरीबी दुश्चक्र की स्थिति बन जाती है।

→ शहरों में वस्तुओं का मूल्य अधिक होना।

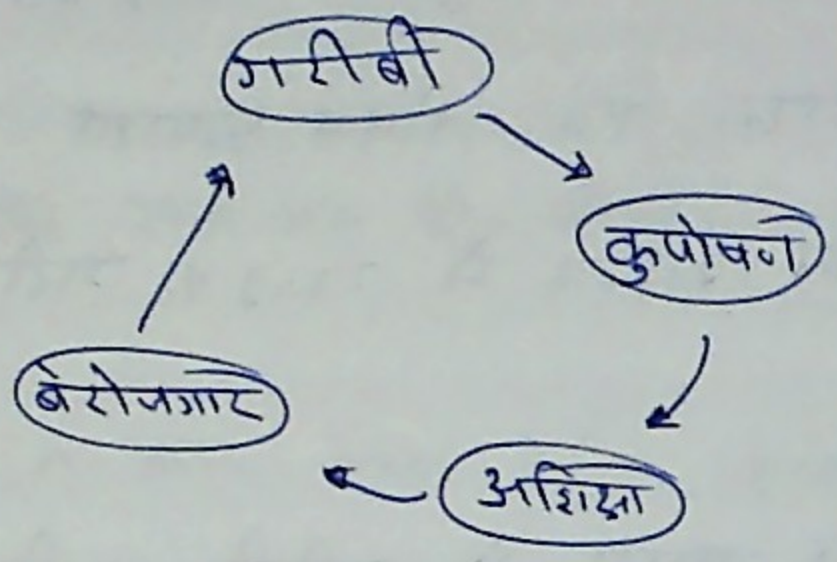

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत में ग्रामीण क्षेत्रों से निकलकर गरीबी शहरों में स्थानान्तरित हो रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता के मध्य संबंध स्थापित कीजिये। जाति असमानता के उन्मूलन हेतु अभिकल्पित कुछ नीतिगत उपायों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Establish the relationship between caste and economic inequality in India. Describe some of the policy measures designed to address caste inequality. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत जैसे राष्ट्र में आर्थिक विषमता लगातार बढ़ रही है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट 'रिवार्ड वर्क नॉट वर्थ' के अनुसार यह 100 वर्ष में उच्चतम है।

जाति एवं आर्थिक असमानता में संबंध -

संबंध।

→ पिछड़ी जातियों का शैक्षिक स्तर कम, जिससे रोजगार कम, अतः आय की कमी।

→ पिछड़ी जातियाँ मुख्यतः कृषि विहीन (भारत में 56% ग्रामीण परिवार भूमि विहीन है)

→ स्वास्थ्य पर out of Pocket Expenditure.

→ अल्प रोजगार जैसे - मैनुअल स्केवेंजिंग, सफाई आदि में नियोजित।

→ पिछड़े क्षेत्रों में अवस्थिति, अवसंरचना का अभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जाति असमानता उन्मूलन के उपाय :-

→ SC/ST तथा OBC को संविधान में सकारात्मक कार्यवाही द्वारा रोजगार एवं राजनीति में प्रावधान।

→ अल्प रोजगार के लिए प्रशिक्षण। हुनर हाट, सीखो और कमाओ आदि।

→ ऋण की सुविधा। मुद्रा योजना

→ प्रशिक्षण कार्यक्रम। जैसे - संकल्प एवं स्ट्राव

इस प्रकार स्पष्ट है कि जाति आधारित आर्थिक असमानता को दूर करने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. "भारत को स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता है।" इस कथन के आलोक में भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"India needs smart urbanization". In light of this, discuss the issues and challenges associated with urbanization in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत की अधिकांश जनसंख्या शहरों में निवास करती है, किन्तु आर्थिक-सामाजिक विकास ने शहरीकरण को लगातार बढ़ाया है।

ऐसे में शहरीकरण की ऐसी प्रक्रिया की आवश्यकता है, जो वर्तमान के साथ भविष्य को भी निर्धारित करें।

<u>शहरीकरण के मुद्दे</u> :-

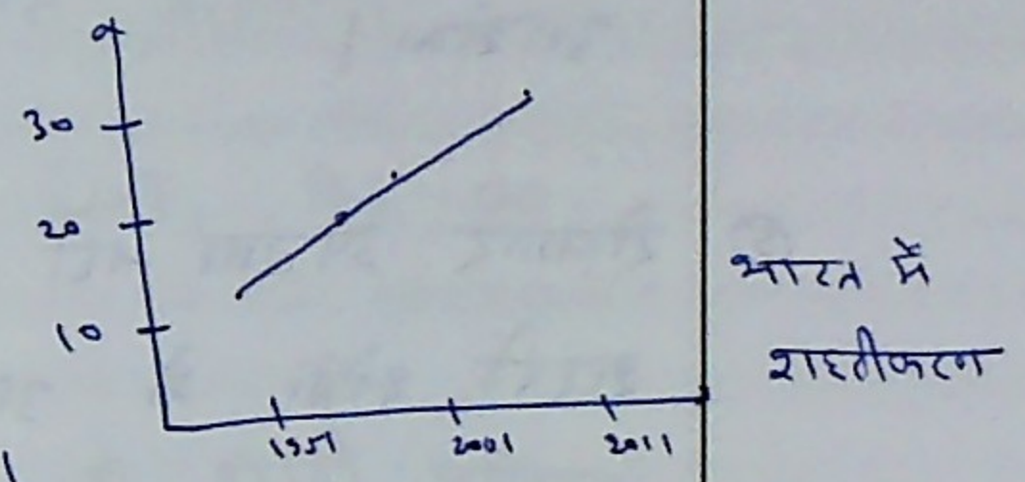

① मलिन <u>बस्तियों</u> का विकास होना।
इससे सामाजिक-आर्थिक, प्रशासनिक एवं पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न होती है।

② <u>अनियंत्रित विस्तार</u> के कारण कृषि योग्य भूमि का निरन्तर ह्रास हो रहा है, जो खाद्यान्न संकट की समस्या का कारण बनेगा।

③ आधारभूत <u>सुविधाओं</u> का अभाव। भारी बोझ के कारण आधारभूत सुविधाओं पर दबाव की स्थिति है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

④ पर्यावरणीय संकट - शहरी आर्द्रभूमि का नष्ट होना तथा भूजल के दोहन के कारण भूमिगत जल शून्य की स्थिति में पहुँच गया है। नीति आयोग के अनुसार 2030 तक 21 शहरों के डे-ज़ीरो की श्रेणी में आने की आशंका।

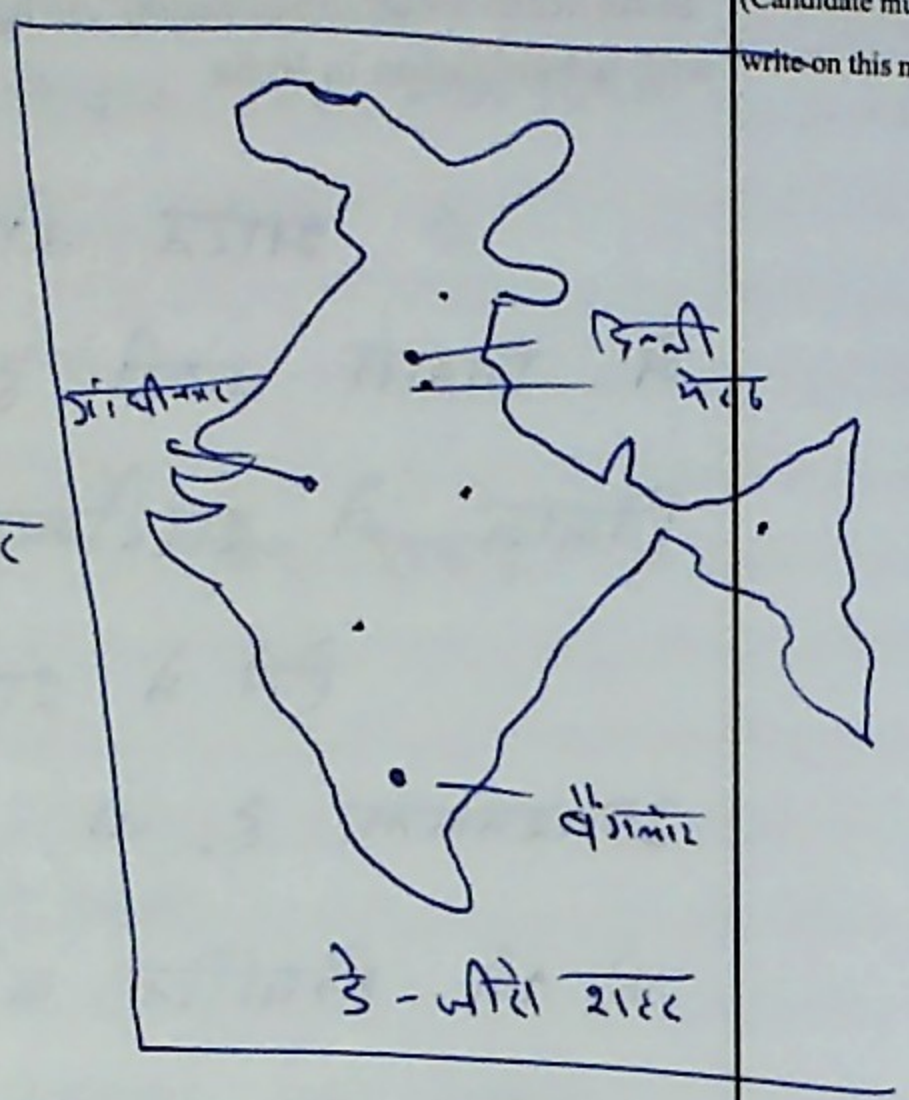

⑤ रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाना। इसके कारण शहरी क्षेत्रों में अपराध, वेश्यावृत्ति बढ़ रहे हैं।

समाधान

→ शहरीकरण से निपटने के लिए दो स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है।

- शहर की परिधि के भीतर
- शहर की परिधि के बाहर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

→ ग्रामीण क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराना। गैर कृषि रोजगार का विकास करना।

Ex. शहरी मिशन

→ शहरों के विकास को UN हैबिटेट-3 से जोड़ना ताकि SDG-9 तथा SDG-11 को हासिल किया जा सके।

→ छोटे-छोटे शहरों का विकास करना।

→ आधुनिक तकनीकों जैसे IOT, AI का उपयोग करना।

Ex - IOT के माध्यम से शहरी परिवहन को नियंत्रित किया जा सकता है।

→ आईभूमियों का पुनरुद्धार करना। जल के प्रबंधन को बढ़ाना

→ प्रशासनिक क्षमताओं का विस्तार करना।

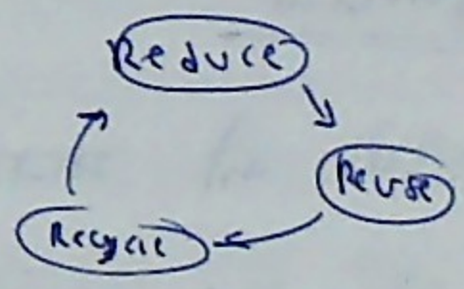

निष्कर्ष - भविष्य के शहर वर्तमान की अथक मेहनत से निर्मित होंगे अतः स्मार्ट सिटी मिशन, AMRUT, आदि का सफल क्रियान्वन हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

12. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ तथा संभावनाएँ क्या हैं? अंतर्देशीय जल परिवहन के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 15

What are the challenges and prospects of inland water transport in India? Also, enumerate the measures taken by the government to promote inland water transport. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परिवहन के तीनो माध्यमों में अन्तर्देशीय जल परिवहन सबसे सस्ता है। अतः भारत जैसे सदावाही नदियो के राज्य मे इसकी पर्याप्त संभावना है।

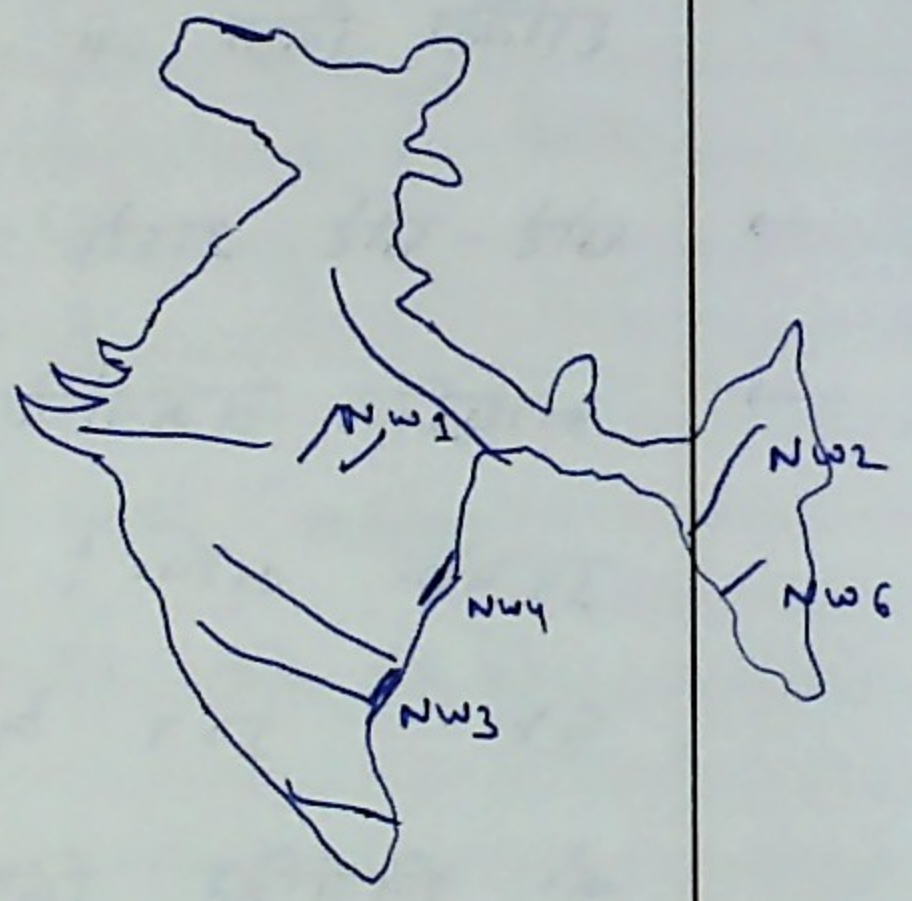

संभावना -

→ भारत में अधिकांश नदियाँ सदावाहिनी है।

→ भौगोलिक विस्तार अधिक है।

→ अन्तर्देशीय जल परिवहन का विकास किये जाने से कृषि सिंचाई को भी प्राप्त किया जा सकता है।

पुनौतियां

→ नदियों की मानसून पर निर्भरता का होना।

→ नदी जोडो परियोजना में निहित पर्यावरणीय एवं सामाजिक- आर्थिक समस्याएं।

→ नदियों में गाद की समस्या।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ पर्याप्त अवसंरचना का अभाव होना।

→ परिवहन के अन्य स्रोतों से प्रतिस्पर्धा।

सरकार के प्रयास:

→ सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। हाल ही में बराक नदी पर राष्ट्रीय जलमार्ग 6 का विकास किया गया।

→ सरकार द्वारा नदी जोड़ो परियोजना का विकास किया गया है, जिसके तहत केन-बेतवा लिंक नहर को विकसित किया जा रहा है।

→ आधारभूत संरचना के निर्माण के प्रयास किये जा रहे है।

→ जल परिवहन की सुरक्षा के लिए तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है।

सरकार नदी-जोड़ो परियोजना के लिए निरन्तर प्रयासरत है क्योंकि इससे न केवल परिवहन सस्ता होगा। बल्कि कृषि की मानसून

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

पर निर्भरता को भी कम किया जा सकता है, जो किसानों की आय दुगुनी करने की महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. प्रथम विश्व युद्ध ने भारत को गहन रूप से वैश्विक घटनाओं से संबद्ध किया, जिसके दूरगामी परिणाम हुए। उचित उदाहरण देकर विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

World War I linked India to global events in profound ways with far reaching consequences. Discuss by giving suitable examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1914 में विश्व युद्ध के प्रारंभ होने पर ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को भी युद्ध में शामिल माना। इस विश्वयुद्ध ने भारत पर कई प्रभाव डाले जिनका दूरगामी महत्व रहा।

① ~~विकास~~ राष्ट्रीय आन्दोलन का साम्यवाद से जुड़ना - इस में सर्वहारा क्रांति ने भारत के राष्ट्रवादियों तथा किसानों को ~~सम्बन्ध~~ साम्यवादी विचारधारा से जोड़ा।

Ex - AUTAC की स्थापना।

② ब्रिटिशों द्वारा भारत से खाद्य सामग्री के निर्यात के कारण उनको विरोध का सामना करना पड़ा जिसके कारण किसान तथा राष्ट्रवादी उनके विरुद्ध संगठित हुये।

③ प्रथम विश्वयुद्ध में भारतीय सैनिकों ने भी हिस्सा लिया था, जिससे 'वीरता केवल श्वेतों में' की अवधारणा का खंडन हुआ तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

ब्रिटिश शासन ने शहीद सैनिकों के सम्मान में इंडिया गेट का निर्माण किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⑷ प्रथम विश्वयुद्ध में इटली एवं जर्मनी के हारने के कारण उत्पन्न तानाशाही शासन तथा वैश्विक मंदी ने भारत को प्रभावित किया।

⑸ युद्ध के पश्चात् रौलेट एक्ट के विरोध में एक व्यापक सत्याग्रह हुआ और यहीं से गांधी जी का राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रिय सहयोग आरंभ हुआ।

इस प्रकार प्रथम विश्वयुद्ध ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को कुछ नवीन मूल्य, नवीन विचारधारा, नवीन नेता प्रदान किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गांधी जी ने अपने दक्षिण अफ्रीकी प्रवास के दौरान वहां के अश्वेत समुदाय के विकास के लिए कार्य करने के लिए ब्रिटिशों को बाध्य किया।

वस्तुत: गांधी जी ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सत्याग्रह की शुरुआत सर्वप्रथम दक्षिण अफ्रीका में ही की थी। उन्होंने नाटाल, ट्रांसवाल आदि क्षेत्र की जनता की मदद की। उन्होंने उन्हें पहचान पत्र रखने की बाध्यता से मुक्त किया।

यहां उन्होंने इंडियन ओपिनियन नामक पत्र का सम्पादन किया तथा जनता तक जागरूकता फैलाई।

भारत आने के पश्चात् उन्होंने उन्ही सिद्धांतों को अनुसरित किया। ~~क्योंकि~~ दक्षिण अफ्रीका की तरह ही भारत की अधिकांश

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जनसंख्या ग्रामीण, अशिक्षित तथा गरीब थी अतः उन्होंने जनता से जुड़ाव रखने को प्राथमिकता दी।

साथ ही राष्ट्रीय आन्दोलन में जनता की भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्होंने जनभाषा को महत्व दिया। सत्य + अहिंसा के द्वारा उन्होंने जन शक्ति को संगठित किया।

अपनी बात मनवाने के लिए शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करना ताकि सरकार द्वारा किसी तरह की दंडात्मक कार्यवाही न की जाये।

ये सब धरना प्रदर्शन एवं विरोध के उपकरण वे अफ्रीका में सफलता पूर्वक उपयोग कर चुके थे। अतः भारत में इनका सफल क्रियान्वयन हो सका।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. "ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक सुधार हमेशा अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।" विशेष रूप से मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के संबंध में विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"Constitutional reforms introduced by the British government from time to time were always too little and too late". Discuss with special reference to Montagu-Chelmsford reforms. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रभावों के कारण समय-समय पर ब्रिटिश शासन ने अनेक संवैधानिक सुधार किये।

वस्तुतः 1909 का मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार उन्ही कड़ी में थे।

भारतीय की मांग -

→ साम्प्रदायिक निर्वाचन को समाप्त किया जाये।

→ एक उत्तरदायी सरकार का गठन किया जाये।

→ स्वशासन प्रदान किया जाये।

→ भारत सचिव का वेतन ब्रिटिश खजाने पर भारित हो।

मांटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार -

→ साम्प्रदायिक निर्वाचन का दायरा विस्तृत किया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must n[ot] write on this marg[in])

~~केवल राज्य में उत्तरदायी शासन ला~~

→ राज्यों में द्वैध शासन लाया गया, हस्तान्तरित एवं आरक्षित शक्तियों के साथ।

→ भारत सचिव का वेतन ब्रिटेन पर भारित किया किन्तु नवीन ~~ब्रिटिश भारती~~ उच्चायुक्त का वेतन भारत पर भारित।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारतीय उत्तरदायी शासन एवं स्वशासन की मांग को नकार दिया गया। साथ ही साम्प्रदायिक ~~निर्वा~~ निर्वाचन का दायरा बढ़ाया गया।

~~इस~~ अतः मांटेग्यू- चेम्सफोर्ड सुधार भारतीय अपेक्षा के मुताबिक नहीं थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

16. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must n write on this marg

तुष्टीकरण से तात्पर्य है, संकीर्ण हितों के लिए किसी की अवांछित मांगों को मान लेना। मित्र राष्ट्रों की यह तुष्टीकरण की नीति ही द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी।

→ मित्र राष्ट्रों द्वारा फासीवादी शक्तियों का प्रयोग साम्यवाद के विनाश के रूप में करने का विचार था। इसके लिए उन्होंने इन्हे नजरअंदाज किया।

→ ~~हिटलर~~ वर्साय की संधि के तहत जर्मनी को बाह्य विस्तार का हक नहीं था किन्तु मित्र राष्ट्रों ने उसे पश्चिमी सीमा की बजाय पूर्वी सीमा पर विस्तार करने को प्रोत्साहित किया।

→ इसी क्रम में हिटलर ने चेकोस्लोवाकिया के एक क्षेत्र पर अपना अधिकार जताया गया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

और ब्रिटेन जैसे राष्ट्रों ने अपने आर्थिक हितों के कारण उसे नजरअंदाज किया।

→ इस प्रकार निरन्तर प्रसार करते हुये हिटलर ने पौलैण्ड पर आक्रमण कर दिया, और इसी के साथ द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारंभ हुआ।

वस्तुतः यदि मित्र राष्ट्र आरंभ से ही हिटलर के प्रसार को गंभीरता से लेते तथा उसे रोकने का प्रयास करते तो शायद यह द्वितीय विश्वयुद्ध नहीं होता।

इसी तुष्टीकरण ने मानवता को पुनः एक बार युद्ध के साये में धकेल दिया। इसी संदर्भ में कहा गया कि-

"मित्र राष्ट्रों ने युद्ध की बजाय अपमान को चुना था किन्तु वे युद्ध से भी नहीं बच पाये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमज़ोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् राज्यों का निर्माण भाषाई आधार पर किया गया और इसने भाषा को राज्य की इकाई के रूप में संगठित कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया।

भाषा के आधार पर राज्यों के निर्माण का महत्व :-

→ चूंकि प्रत्येक मनुष्य में अपने क्षेत्र, संस्कृति एवं भाषा के प्रति लगाव होता है। अतः एक भाषा भाषी लोग एक ~~राज्य~~ राज्य के रूप में संगठित होने का प्रयास करते है ताकि प्रतिनिधित्व प्रदान किया जा सके।

→ एक भाषा - एक राज्य से राज्य की भाषा के रूप में प्रशासनिक कार्यों में परेशानी नहीं आती।

चूंकि तत्कालीन समय में अधिकांश जनता निरक्षर थी।

→ एक भाषा के रूप में संगठित होना, किसी अन्य भाषा के जबरन थोपने विरुद्ध एक हथियार की भाँति है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

→ भाषाई आधार पर राज्यों का बँटवारा राजनीतिक महत्वाकांक्षा को भी संतुष्ट करता है अन्यथा जन आन्दोलन द्वारा ही आर्थिक गतिविधियाँ बाधित होती।

भारत में भाषाई आधार पर आंध्रप्रदेश एवं गुजरात का निर्माण किया गया। जिसने राजनीतिक मानचित्र पर भले ही दो नये राज्य दिये हो किन्तु एक स्थिरता प्रदान की।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

18. यदि निजी क्षेत्र को शुरुआत से ही एक स्वतंत्र भागीदारी की अनुमति प्रदान की जाती, तो भारत अधिक बेहतर विकास कर सकता था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Had private sector been allowed a free play right from the beginning, India could have developed much better. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must n write on this margi

किसी भी राष्ट्र के विकास में सरकार एवं निजी क्षेत्र दोनो की भूमिका होती है। आरंभ में सरकार द्वारा आरंभ में अधिकांश उद्योग सरकारी क्षेत्र के लिए आरक्षित कर लिये जाने के कारण यह एक विवाद है कि "क्या ऐसा नहीं होता तो क्या होता"।

पक्ष -

→ निजी क्षेत्र का उद्देश्य होता है, कम संसाधन में अधिक लाभ। अतः संसाधन दक्षता की स्थिति होती।

→ निजी क्षेत्र की विशेषता होती है इसकी गुणवत्ता की उच्च कोटि का होना।

→ निजी क्षेत्र समयबद्ध ढंग से योजनाओं का क्रियान्वयन करता है।

अतः इन तर्कों के आधार पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यह स्पष्ट होता है कि निजी क्षेत्र एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता।

किन्तु इसके दूसरे पक्ष का मूल्यांकन भी आवश्यक है -

→ निजी क्षेत्र की लाभप्रदता गरीब जनता को वंचना से और अधिक ग्रसित करती।

→ SC/ST समुदायों को मुख्यधारा में लाने का श्रेय केवल सरकारी क्षेत्र को है।

→ तत्कालीन समय में निवेश के लिए अधिक मात्रा में धन की आवश्यकता थी। जो निजी क्षेत्र के पास अनुपलब्ध था। ऐसे में <u>ट्विन बैलेंस सीट</u> की समस्या जो अब आ रही है, वह तब उपस्थित होती।

→ क्रोनी कैपिटलिज्म की समस्या, वर्तमान स्थिति से बदतर हो सकती थी।

→ विकास के नाम पर SC/ST का विस्थापन नक्सलवाद को अधिक बढ़ावा देता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

इस प्रकार स्पष्ट है कि निजी क्षेत्र को भारत सरकार ने पूर्णतः प्रतिषेध नहीं किया था अपितु कुछ बड़े उद्योगों से रोका था। जो धीरे-धीरे उनके लिए उपलब्ध करा दिये।

अतः निजी क्षेत्र को भारत सरकार द्वारा सही समय पर सही जिम्मेदारी प्रदान की, जिसके वर्तमान में सुदृढ़ होकर यह क्षेत्र मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को परिवर्तित किया है। विकासशील देशों के संबंध में इसके प्रभावों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Globalisation has changed the role of State. Critically evaluate its impact in the context of developing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण से तात्पर्य राष्ट्र के नियमों का उदार होकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खुलना। वैश्विकीकरण ने सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक स्तर पर प्रभावित किया है।

राज्य की भूमिका में परिवर्तन :-

→ राज्य कल्याणकारी स्वरूप के स्थान पर सुविधा-प्रदायक स्वरूप धारण कर रहा है।

→ वैश्वीकरण ने गैर-राज्य कारकों सिविल सोसायटी, NGO आदि की भूमिका को बढ़ाया है।

→ नीति निर्माण में केवल सिविल सेवकों की बजाय जनता की राय जानने की परम्परा प्रारंभ हुई है।

जैसे - बचपन बचाओ आन्दोलन के द्वारा बाल नीति के निर्माण में सहायता करना।

→ mygov.in, UMANG App

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

→ राज्य वर्तमान में संवेदनशील मुद्दों जैसे- लैंगिक समानता, ट्रांसजेंडर आदि को खुलकर समर्थन देते है।

→ पर्यावरणीय संबंधी नीतियों का निर्माण करना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग करना।

→ मिलकर विकास करने की नीति। सतत विकास लक्ष्यों का निर्धारण।

विकासशील राष्ट्रों पर प्रभाव -

→ आर्थिक विकास के लिए FDI का आगमन।

→ तकनीकी हस्तान्तरण।

→ नवीन कार्पोरेट कल्चर।

→ पर्यावरण के प्रति जागरूकता।

→ तकनीकी का प्रशासन में प्रयोग।

नकारात्मक प्रभाव

→ राष्ट्रों की सम्प्रभुता पर मानवाधिकार एवं लोकतंत्र

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के नाम पर हमला करना।

→ संस्कृति पर विदेशी प्रभाव, जिसने समाज को चार भागों में विभक्त कर अशांत किया

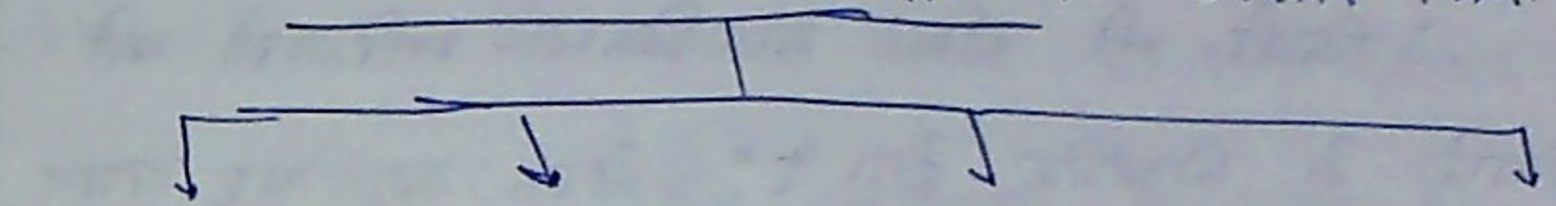

→ कुटीर उद्योगों का पतन।

इस प्रकार स्पष्ट है कि वैश्वीकरण ने विश्व को सकारात्मक की ओर ले जाने का प्रयास किया और वसुधैव कुटुम्बकम एवं ग्लोबल विलेज की अवधारणा मजबूत हुई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

20. लैंगिक न्याय उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितनी की धार्मिक स्वतंत्रता। भारत की हाल की गतिविधियों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Gender justice is as important as religious freedom. Analyse in the context of recent developments in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must n write on this marg

"किसी भी राष्ट्र का विकास महिलाओं की स्थिति से निर्धारित होता है"; नेहरू का यह कथन लैंगिक समानता को स्पष्ट करता है।

हाल ही में भारत में अनेक स्तरों पर लैंगिक समानता एवं धार्मिक स्वतंत्रता के मध्य टकराव देखा गया।

जैसे -

→ तीन तलाक को अवैध करार देना।

→ शबरीमाला मंदिर में प्रवेश का मामला।

→ महिला को जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्रता का मामला।

इन सब मामलों में रूढ़िवादी विचारक धार्मिक स्वतंत्रता को उच्च श्रेणी में रखते है. वहीं आधुनिक विचारक एवं माननीय उच्चतम न्यायालय ने लैंगिक समानता के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पक्षधर है।

लैंगिक समानता संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21 को स्पष्ट करती है। और जीवन का अधिकार सभी अधिकारों से ऊपर है।

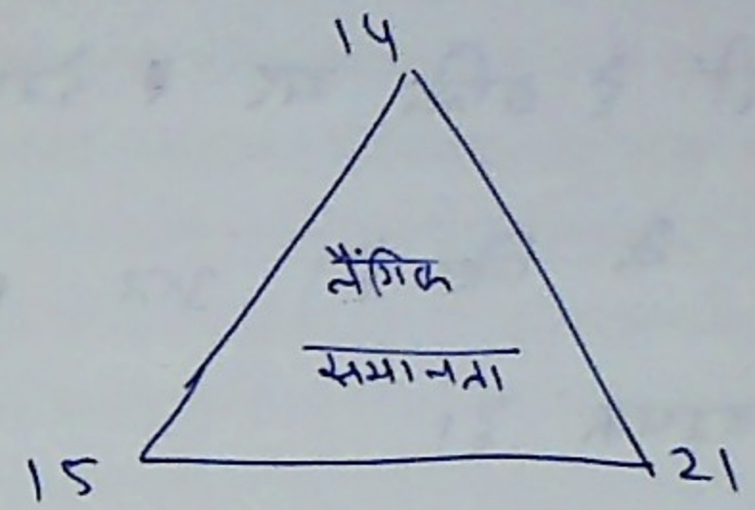

लैंगिक न्याय क्यों महत्वपूर्ण

→ महिला वर्ग संवेदनशील है क्योंकि हजारों वर्षों से शोषित है।

→ प्रशासन में भागीदारी नगण्य है। अतः समानता के द्वारा ही आगे बढ़ाया जा सकता है।

→ पितृसत्तात्मक समाज में महिला को आगे बढ़ने में अनेक बाधाएं है, अतः समानता / न्याय के द्वारा इनका परिकार आवश्यक।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिख
चाहिये।
(Candidate must n
write on this marg

→ महिलाओं की आर्थिक निर्भरता निर्णयन को कमजोर करती है, अतः लैंगिक न्याय आवश्यक है।

चूंकि लैंगिक न्याय किसी धर्म विशिष्ट से संबंधित नहीं है बल्कि यह देश की आधी आबादी के लिए है। अतः लैंगिक न्याय अनिआवश्यक है।

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए लैंगिक समानता को पाना (SDG-5) अति आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation